बासौदा के साथ अब कुरवाई का काम भी देखेंगे नए सीएमओ

खास बातें

- वेतन संकट, अवैध नियुक्तियों और ठप पड़े विकास कार्यों को पटरी पर लाना होगा बड़ी चुनौती
- प्रबुद्ध नागरिकों की मांग : अवैध नियुक्तियों की हो जांच, पटरी पर आए व्यवस्था

नवभारत न्यूज

कुरवाई 3 जून, नगर परिषद कुरवाई इन दिनों अपने इतिहास के सबसे बुरे प्रशासनिक और वित्तीय दौर से गुजर रही है. हालांकि, कुछ दिनों से प्रशासनिक शून्यता झेल रही परिषद को अब नया नेतृत्व मिल गया है. आज नगर पालिका बासौदा के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) रवि प्रकाश श्रीवास्तव ने प्रभारी के रूप में कुरवाई नगर परिषद का चार्ज ले लिया है। वह बासौदा के साथ-साथ अब कुरवाई का कामकाज भी देखेंगे.

नए सीएमओ के आने से नागरिकों में व्यवस्थाएं सुधरने की उम्मीद तो जागी है, लेकिन उनके सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है. परिषद में व्याप्त घोर लापरवाही, वित्तीय कुप्रबंधन और प्रशासनिक उदासीनता के कारण शहर की पूरी व्यवस्थाएं वेंटिलेटर पर आ चुकी हैं.विकास कार्य तो दूर, आम जनता के रोजमर्रा के जरूरी काम भी पूरी तरह ठप पड़े हैं, जिन्हें तत्काल पटरी पर लाना नए सीएमओ के लिए सबसे बड़ी परीक्षा होगी.सबसे बड़ा प्रशासनिक घोटाला बिना नियुक्ति पत्र और बिना सर्विस फाइल वाले अवैध कर्मियों के हाथ में शासकीय कमाननगर परिषद कुरवाई में नियमों को ताक पर रखने का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है जिसने प्रशासनिक हलके में हड़कंप मचा दिया है। नगर के प्रबुद्ध जनों और सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, परिषद में कई ऐसे अवैध कर्मचारियों को महत्वपूर्ण और संवेदनशील कार्यालयीन जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं, जिनका परिषद के रिकॉर्ड में कोई वजूद ही नहीं है.

हैरानी की बात यह है कि इन कथित कर्मचारियों के पास ना तो कोई नियुक्ति पत्र है, ना ही शासन या परिषद का कोई आधिकारिक नियुक्ति आदेश है, और ना ही नगर परिषद कार्यालय में इनकी कोई सेवा पुस्तिका मौजूद है। इसके बावजूद, इन पूरी तरह से अवैध और अकुशल दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को महत्वपूर्ण शासकीय फाइलों, खातों, दस्तावेजों और शासकीय योजनाओं की कमान सौंप दी गई है.बिना किसी आधिकारिक रिकॉर्ड के इन बाहरी और अवैध लोगों को संवेदनशील कुर्सियों पर बैठाने से न सिर्फ शासकीय गोपनीयता पूरी तरह भंग हो रही है, बल्कि रिकॉर्ड में हेरफेर, भ्रष्टाचार और भारी वित्तीय अनियमितताओं की आशंका प्रबल हो गई है. यदि भविष्य में कोई बड़ी गड़बड़ी या फाइलों की गुमशुदगी होती है, तो परिषद के पास इन कर्मचारियों पर कार्रवाई करने का कोई कानूनी आधार तक नहीं होगा. नए प्रभारी सीएमओ श्रीवास्तव के लिए इन फाइलों और व्यवस्थाओं को पारदर्शी बनाना एक बड़ा टास्क होगा.

कुरवाई की त्रस्त जनता और प्रबुद्ध नागरिकों ने जिला प्रशासन सहित प्रदेश सरकार से पुरजोर मांग की है कि चूंकि अब नए प्रभारी सीएमओ रवि प्रकाश श्रीवास्तव ने चार्ज ले लिया है, इसलिए वे तत्काल प्रभाव से एक्शन मोड में आएं. बिना नियुक्ति पत्र, बिना आदेश और बिना सर्विस फाइल के महत्वपूर्ण शासकीय कुर्सियों और दस्तावेजों को संभाल रहे अवैध कर्मचारियों को तत्काल हटाकर उनके खिलाफ जांच की जाए.इसके साथ ही परिषद में हुई सभी अवैध नियुक्तियों की उच्च स्तरीय जांच हो, सफाई व्यवस्था के लिए नए कचरा वाहनों का इंतजाम हो, वैध कर्मचारियों को समय पर वेतन मिले और मानसून से पहले युद्ध स्तर पर नाला सफाई कराकर शहर को डूबने व महामारियों से बचाया जा सके. नागरिकों को उम्मीद है कि बासौदा के साथ कुरवाई की कमान संभाल रहे श्री श्रीवास्तव इस बदहाली को दूर करने के लिए कड़े कदम उठाएंगे.

कचरा वाहनों की भारी कमी, सफाई कर्मियों के पास गाड़ी नहीं, वार्डों में लगा गंदगी का ढेर

शहर को साफ-सुथरा रखने का दावा करने वाली नगर परिषद खुद कचरा वाहनों की भारी कमी से जूझ रही है.नागरिकों का कहना है कि जमीन पर काम करने वाले सफाई कर्मियों के पास तक कचरा उठाने वाली गाड़ियां उपलब्ध नहीं हैं. वाहनों के अभाव में सफाई कर्मी वार्डों से नियमित रूप से कचरा नहीं उठा पा रहे हैं. नतीजा यह है कि शहर के मुख्य चौराहों से लेकर गलियों तक में कचरे के ढेर लग गए हैं.स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ाते हुए परिषद के पास वाहनों के रखरखाव और नए संसाधन जुटाने तक का बजट नहीं है.

बजट पर भारी पड़ी अवैध फौज, नियम विरुद्ध नियुक्तियों ने बिगाड़ा गणित

नगर परिषद की वित्तीय स्थिति पूरी तरह कंगाली की कगार पर पहुंच चुकी है। नागरिकों का आरोप है कि इसका मुख्य कारण परिषद में पिछले कुछ समय में पीछे के दरवाजे से की गई यही अवैध और नियम विरुद्ध नियुक्तियां हैं. स्वीकृत पदों और शासन के निर्देशों को ताक पर रखकर, बिना किसी वित्तीय स्वीकृति के मनमाने ढंग से चहेतों को लाभ पहुंचाने के लिए अवैध कर्मचारियों की एक बड़ी फौज पाल रखी है, जिसने परिषद के पूरे बजट का गणित बिगाड़ दिया है. ?इस वित्तीय विसंगति का खमियाजा परिषद के उन वैध कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है जो सालों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं जिनमें नियमित कर्मचारी महीनों से वेतन न मिलने के कारण इनकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई है, घर चलाना और कर्ज की किस्तें चुकाना मुश्किल हो चुका है. ?विनियमित कर्मचारी (स्थायी कर्मी) सरकार की नीति के तहत विनियमित हुए इन कर्मचारियों को भी समय पर मानदेय नसीब नहीं हो रहा है. ?कार्यालय का आलम यह है कि जब भी कोई नागरिक किसी काम के लिए पहुंचता है, तो कर्मचारी काम करने के बजाय अपनी सैलरी का रोना रोने लगते हैं. कथित तौर पर पर्दे के पीछे से सांठगांठ कर इन अवैध रूप से रखे गए कर्मचारियों के भुगतान का जुगाड़ तो कर दिया जाता है, लेकिन वैध कर्मचारियों को बजट नहीं है का झुनझुना थमा दिया जाता है.

सिर पर मानसून, नाले-नालियां चोक, मच्छरों का भारी प्रकोप

वर्षा ऋ तु बिल्कुल नजदीक है, लेकिन नगर परिषद अब तक गहरी नींद में सोई थी. मानसून से पूर्व होने वाली नाला सफाई की तैयारियां पूरी तरह ठप हैं.शहर के मुख्य नाले और वार्डों की नालियां कचरे व कीचड़ से पूरी तरह जाम हैं. प्रबुद्ध जनों ने चेतावनी दी है कि यदि पहली तेज बारिश होती है, तो निचले इलाकों में जलभराव होना और घरों में गंदा पानी घुसना तय है.

जाम नालियों और जगह-जगह लगे कचरे के ढेरों के कारण पूरे नगर में इस समय मच्छरों का भारी प्रकोप है. शाम होते ही नागरिकों का घरों में बैठना दूभर हो जाता है. इसके बावजूद नगर परिषद द्वारा किसी भी वार्ड में कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव या धुआं छोड़ने वाली मशीन नहीं चलाई जा रही है.इससे शहर में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी खतरनाक बीमारियों की महामारी का खतरा तेजी से मंडराने लगा है.

रोजगार के लिए रोजाना अप-डाउन को मजबूर युवा

- गंजबासौदा में बड़े उद्योगों की कमी
- रोजगार की तलाश में विदिशा-भोपाल का रुख कर रहे सैकड़ों युवक

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा,गंजबासौदा, मंडी बामोरा और बरेठ क्षेत्र के सैकड़ों युवा रोजगार की तलाश में प्रतिदिन ट्रेन से विदिशा, भोपाल और अन्य शहरों का सफर करने को मजबूर हैं. क्षेत्र में बड़े उद्योगों और पर्याप्त रोजगार के अवसरों का अभाव अब स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है.

सूत्रों के अनुसार प्रतिदिन करीब 200 से 300 लोग मजदूरी या निजी कंपनियों में काम करने के लिए अप-डाउन कर रहे हैं. सुबह जल्दी घर से निकलना और देर शाम लौटना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन गया है.परिवार के भरण-पोषण के लिए लोग यह कठिन जीवनशैली अपनाने को विवश हैं.स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि गंजबासौदा क्षेत्र में बड़े उद्योग या औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जाए तो युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार मिल सकता है. इससे न केवल पलायन और दैनिक अप-डाउन की समस्या कम होगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी.लोगों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने से व्यापारिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी और युवाओं को अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने का अवसर मिलेगा.वर्तमान में रोजगार के लिए दूसरे शहरों पर निर्भरता लगातार बढ़ती जा रही है.क्षेत्र के युवाओं और सामाजिक संगठनों ने शासन-प्रशासन से गंजबासौदा में औद्योगिक विकास के लिए ठोस पहल करने की मांग की है.उनका कहना है कि यदि समय रहते रोजगार सृजन के प्रयास नहीं किए गए तो बेरोजगारी और आर्थिक चुनौतियां आने वाले समय में और गंभीर रूप ले सकती हैं.स्थानीय लोगों का मानना है कि क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और गंजबासौदा आर्थिक विकास की दिशा में नई पहचान बना सकेगा.

5 से 21 जून तक चलेगा जनकल्याण एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान

नवभारत न्यूज

विदिशा. प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 5 जून से 21 जून तक आयोजित होने वाले जनकल्याण एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान की तैयारियों की समीक्षा की. उन्होंने अभियान के सफल संचालन के लिए सभी जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.बैठक में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर वृहद पौधारोपण कार्यक्रम तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान 3.0 के शुभारंभ की तैयारियों पर विशेष चर्चा हुई. इसके अलावा स्वच्छता अभियान, 12 से 18 जून तक आयोजित जनकल्याण शिविरों तथा 19 और 20 जून को प्रस्तावित प्राकृतिक खेती आधारित कार्यशालाओं की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई.

विकास पचौरी रेडियो
84 35 250 250
मोबाइल के प्ले स्टोर पर
Vikas Pachori Radio
टाइप करके इंस्टॉल कीजिए
और लगातार 24 घण्टे
आनंद लीजिए.

मटेरियल हटाओ, बस्ती को स्वच्छ बनाओ अभियान चलाने की जरूरत

- स्वच्छता रैंकिंग में अव्वल आने के लिए नागरिकों और नगर पालिका को मिलकर करना होगा प्रयास

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 3 जून, नगर को स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने और स्वच्छता रैंकिंग में बेहतर स्थान प्राप्त करने के लिए केवल नगर पालिका ही नहीं, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है. यदि हम सभी स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें और सहयोग करें, तभी बस्ती का नाम रोशन हो सकेगा तथा स्वच्छता सर्वेक्षण में अधिकतम अंक प्राप्त किए जा सकेंगे.

स्टेशन से लेकर राजेंद्र नगर तक तथा विभिन्न गली-मोहल्लों में जगह-जगह मिट्टी, गिट्टी, टूटी-फूटी ईंटें, पत्थर और रेत के ढेर पड़े दिखाई देते हैं.कई लोग पुराने जर्जर मकानों को तोड़ने के बाद उसका मलबा सड़कों, गलियों या नालियों के किनारे छोड़ देते हैं. कुछ लोग गटर और नालियों पर पत्थर डालकर अस्थायी रास्ते बना लेते हैं. इससे न केवल सफाई व्यवस्था प्रभावित होती है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है.

पहले मकानों के निर्माण में उपयोग होने वाले बड़े पत्थरों का अब कम इस्तेमाल होता है.ऐसे में लोग इन पत्थरों को सार्वजनिक स्थानों पर छोड़ देते हैं, जिससे सफाई कार्य में बाधा उत्पन्न होती है. यदि शहर को साफ-सुथरा रखना है तो सबसे पहले ऐसे निर्माण सामग्री और मलबे को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता है.

शहर में एक और समस्या यह है कि कुछ दुकानदार और रहवासी रात के समय अपनी दुकानों और घरों का कचरा सड़कों तथा नालियों में फेंक देते हैं. जबकि नगर पालिका परिषद द्वारा घर-घर कचरा संग्रहण वाहन भेजे जा रहे हैं और लोगों को उसी में कचरा डालना चाहिए.इसके बावजूद लापरवाही के कारण कई स्थानों पर गंदगी फैली हुई दिखाई देती है.

यदि यही स्थिति बनी रही तो स्वच्छता सर्वेक्षण में शहर को कम अंक मिल सकते हैं. नगर पालिका परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी इस दिशा में अधिक सक्रियता दिखाने की जरूरत है. उन्हें नियमित रूप से वार्डों का निरीक्षण कर सफाई कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों से संवाद करना चाहिए तथा समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना चाहिए.स्वच्छता केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है.मटेरियल हटाओ, बस्ती को स्वच्छ बनाओ अभियान चलाकर यदि निर्माण सामग्री, मलबा और कचरा सार्वजनिक स्थानों से हटाया जाए तो शहर की सफाई व्यवस्था में बड़ा सुधार आ सकता है. सामूहिक प्रयासों से ही बस्ती स्वच्छता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू सकेगी और बेहतर रैंकिंग हासिल कर पाएगी.

आज से सजेगा क्षेत्र का सबसे बड़ा खेल उत्सव

- कॉलेज ग्राउंड पर होगा विधायक कप नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट

नवभारत न्यूज

कुरवाई. क्षेत्र के खेल प्रेमियों, युवाओं और क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए खुशखबरी है. आगामी 4 जून से स्थानीय कॉलेज ग्राउंड पर क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित और भव्य %विधायक कप नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ होने जा रहा है. मुख्य आयोजक अंकित सप्रे के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता को अंतरराष्ट्रीय और प्रोफेशनल स्तर की सुविधाओं के साथ तैयार किया जा रहा है. टूर्नामेंट को लेकर क्षेत्रभर में उत्साह का माहौल है.

टूर्नामेंट की तैयारियां पिछले कई दिनों से युद्ध स्तर पर चल रही हैं. रात में होने वाले मुकाबलों के लिए मैदान पर विशेष फ्लड लाइट व्यवस्था की जा रही है. इसके लिए कॉलेज ग्राउंड में 10 विशालकाय लाइट टावर लगाए जा रहे हैं, जिन पर आधुनिक हाई-टेक एलईडी लाइट्स स्थापित की जा रही हैं. इनकी रोशनी में रात के समय भी मैदान दिन जैसा चमकता नजर आएगा. इसके अलावा दर्शकों के बैठने और सुरक्षा के लिए भी विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं.आयोजन समिति के अनुसार इस बार टूर्नामेंट में कुरवाई, विदिशा, गंजबासौदा, सिरोंज, बीना और खुरई विधानसभा क्षेत्रों के उत्कृष्ट खिलाड़ी विभिन्न टीमों के माध्यम से भाग लेंगे. अलग-अलग क्षेत्रों के खिलाड़ियों की मौजूदगी से प्रतियोगिता में रोमांच और प्रतिस्पर्धा दोनों बढ़ेंगे.

16 टीमें दिखाएंगी दमखम

प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें 4 अलग-अलग ग्रुपों में विभाजित किया गया है. टूर्नामेंट लीग एवं नॉकआउट प्रारूप में आयोजित होगा. 4 जून से शुरू होने वाले मुकाबले प्रतिदिन शाम 5 बजे से खेले जाएंगे. दर्शकों के मनोरंजन के लिए प्रतिदिन 3 से 4 मैच आयोजित किए जाएंगे.

नटेरन प्रीमियर लीग सीजन-2 का समापन, सोनू 11 सतपाड़ा हाट बनी चैंपियन

- फाइनल में रज्जू 11 को 10 रनों से हराया
- 19 दिनों तक चला नाइट क्रिकेट महाकुंभ

नवभारत न्यूज

नटेरन. युवा शक्ति संगठन नटेरन द्वारा आयोजित नटेरन प्रीमियर लीग (सीजन-2) नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन हो गया. 19 दिनों तक चले इस टूर्नामेंट में 16 टीमों के 208 खिलाड़ियों ने भाग लिया और कुल 65 मुकाबले खेले गए. दूधिया रोशनी में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में सोनू 11 सतपाड़ा हाट ने रज्जू 11 को 10 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया.

समापन समारोह में मुख्य अतिथि सुरेंद्र रघुवंशी (मुड़री वाले) सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे. विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान किए गए. टूर्नामेंट के दौरान चौके-छक्कों पर खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार दिए गए, वहीं बाउंड्री के बाहर कैच पकड़ने वाले दर्शकों को भी सम्मानित किया गया.फाइनल में सोनू 11 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 86 रन बनाए. जवाब में रज्जू 11 की टीम निर्धारित ओवरों में लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी. अंतिम ओवर में जीत के लिए 14 रन चाहिए थे, लेकिन पंकज रघुवंशी की सटीक गेंदबाजी के सामने टीम 10 रन पीछे रह गई.फाइनल के हीरो पंकज रघुवंशी रहे, जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई. आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों, दर्शकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया.

शहतूत पौधारोपण एवं रेशम कीट पालन के लिए ऑनलाइन पंजीयन शुरू

नवभारत न्यूज

विदिशा. रेशम संचालनालय भोपाल द्वारा शहतूत पौधारोपण एवं रेशम कीट पालन कर ककून उत्पादन करने के इच्छुक किसानों के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया शुरू की गई है. निजी भूमि पर कम से कम 0.1 एकड़ क्षेत्र में शहतूत पौधारोपण करने वाले किसान ई-रेशम पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं.रेशम कीट पालन में रुचि रखने वाले किसान ऑनलाइन पंजीयन के माध्यम से योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे. विभाग द्वारा प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्र किसानों का चयन किया जाएगा.

पुरुषोत्तम मास में गूंजेगी श्रीराम कथा की अमृतधारा

- 6 जून से 14 जून तक रघुवंश वाटिका में होगा नौदिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा महोत्सव
- मंडी बामोरा के कथा व्यास पं. रामकृष्ण महाराज करेंगे कथा वाचन

नवभारत न्यूज

कुरवाई. पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर नगर में नवदिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है. आगामी 6 जून 2026, शनिवार से प्रारंभ होने वाली यह कथा 14 जून 2026, रविवार तक निरंतर चलेगी. धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है.

आयोजन समिति के अनुसार इस नौ दिवसीय ज्ञान यज्ञ में मंडी बामोरा के सुप्रसिद्ध कथा व्यास पंडित रामकृष्ण महाराज अपने मुखारविंद से संगीतमय श्रीराम कथा का वाचन करेंगे. कथा के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, धर्म, मर्यादा और भक्ति के विभिन्न प्रसंगों का रसपान कराया जाएगा.यह भव्य धार्मिक आयोजन रघुवंश वाटिका, कुरवाई में आयोजित होगा. कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से हरिइच्छा तक निर्धारित किया गया है. आयोजन के मुख्य यजमान रजनी रघुवंशी एवं रामगोपाल रघुवंशी हैं.आयोजन को सफल बनाने के लिए नगर एवं क्षेत्र के श्रद्धालुजन सहयोग प्रदान कर रहे हैं. समिति ने कुरवाई सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण करने तथा पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है.पुरुषोत्तम मास में आयोजित होने वाला यह धार्मिक आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ज्ञान, भक्ति और सत्संग का विशेष अवसर प्रदान करेगा. कथा स्थल पर भक्तों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं, ताकि सभी श्रद्धालु सहजता से कथा का लाभ प्राप्त कर सकें.

राहत — सरपंच की पहल से इंदिरा आवास और छपारा तिगड्डा क्षेत्र के लोगों को मिला पर्याप्त पानी

भीषण गर्मी में राहत : बंद पड़े दो हैंडपंपों की मरम्मत, फिर शुरू हुई जलापूर्ति

नवभारत न्यूज

पठारी. भीषण गर्मी और लगातार गिरते जल स्तर के बीच नगर के दो हैंडपंपों ने पानी देना बंद कर दिया था, जिससे आसपास के रहवासियों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा था. समस्या की जानकारी मिलते ही ग्राम पंचायत की सरपंच राखी अखिलेश पंथी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों हैंडपंपों की मरम्मत करवाई और पाइपों की संख्या बढ़ाकर उन्हें पुनः चालू कराया.

नगर के इंदिरा आवास और छपारा तिगड्डा क्षेत्र में स्थित हैंडपंप पिछले कई दिनों से बंद पड़े थे. पंचायत के नल-जल कर्मचारियों और सरपंच की तत्परता से दोनों हैंडपंपों को फिर से उपयोगी बनाया गया, जिससे क्षेत्र के निवासियों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिलने लगा है.सरपंच राखी अखिलेश पंथी ने बताया कि नगर में कुल 38 हैंडपंप हैं, जिनमें से 5 पूरी तरह सूख चुके हैं. शेष 33 हैंडपंपों में से 29 में मोटर लगाकर पानी निकाला जा रहा है, जबकि 4 हैंडपंपों से हाथ से पानी निकालकर जल आपूर्ति की जा रही है.उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था बनाए रखना पंचायत की प्राथमिकता है और जहां भी पानी की समस्या सामने आएगी, वहां तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएंगे. पंचायत द्वारा जल स्रोतों की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े.